

महोदयजी

जांच से पकट है कि :-

- (1) प्राचीन पत्र ईसाधिकार का है।
- (2) उचित मोठ पीज पर है।
- (3) अप्रक्षक राजस्व रेकार्ड की उपमागत परिचय से लग्न है।
- (4) प्राचीन पत्र में वर्णित बाराजी के प्रायोगिक शक्तिदात्र क्षेत्र से इन्हें वपती कराने का अधिकार है।  
अतः यजिकरु आदेश जारी किया जाना उचित है। आदेशार्थ प्रस्तुत

14/6/23

(5) श्रीमान् एस्त डी. अ. ला

प्रकार १५६०२ आदेश  
बादा है

14/6/23

